रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

वीरांगना रानी दुर्गावती महिला सशक्तिकरण का रोल मॉडल हैं–कुलपति प्रो. मिश्र

विवि में वीरांगना रानी दुर्गावती को अर्पित किए श्रद्धासुमन
एक परिचर्चा का हुआ आयोजन

जबलपुर 24 जून। वीरांगना रानी दुर्गावती जी के बलिदान दिवस पर दिनांक 24 जून, 2022 को प्रातः 9.45 बजे से रादुविवि के काउन्सिल हाल में वीरांगना रानी दुर्गावती की जीवनी एवं शौर्य गाथा' पर आधारित परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती महिला सशक्तिकरण का रोल मॉडल हैं। प्रत्येक युवा को उनके जीवन दर्शन का अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने प्रजा के हित में ही शासक का हित वाले भाव को चरितार्थ किया। वीरांगना रानी दुर्गावती पर आधारित अंतर विषय शोधों को प्रोत्साहन मिलना आज की आवश्यकता है।

सुशासन की प्रतीक थीं रानी दुर्गावती–

परिचर्चा में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाज सेवी एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि वीरांगना रानी दुर्गावती सुशासन का प्रतीक थीं। उनके शासनकाल में सामाजिक समरसता, पारस्परिक सद्भाव और जनकल्याण की भावना से किए गए कार्य देखने मिलते हैं। कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक एवं विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग प्रो. सुभाष शर्मा ने वीरांगना रानी के कार्यक्षेत्र के विविध बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए छात्रों के उत्थान एवं रानी दुर्गावती से प्रेरणा लेने का आव्हान किया। आभार प्रदर्शन कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. रामशंकर, प्रभारी महिला अध्ययन केन्द्र डॉ. राजेश्वरी राणा, प्रो. एस.एस. संधू, अमृत महोत्सव संयोजक डॉ. देवीलता रावत, प्रो. ए.के. गिल, प्रो. अतुल दुबे, डॉ. अश्विनी जयसवाल, सहायक कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा, सुश्री मिनाल गुप्ता एवं सुश्री मोनाली सूर्यवंशी तथा अज्जाक्स संघ अध्यक्ष श्री अजय झारिया, डॉ. नीलेश शर्मा, डॉ. राजुल अग्रवाल, श्रीमती संदीपा उपाध्याय, डॉ. शशिकला पाण्डेय, श्रीलाल बैगा सहित रादुविवि के शिक्षकगण, देवेन्द्र पुरुष छात्रावास के छात्र एवं कस्तूरबा महिला छात्रावास की छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

समाधि स्थल एवं विवि में वीरांगना रानी दुर्गावती को दी गई पुष्पांजलि–

सर्वप्रथम वीरांगना रानी दुर्गावती के समाधि स्थल नरईनाला में प्रातः 8.00 बजे माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह, डॉ. विशाल बन्ने एवं सहायक कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा ने पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात् विश्वविद्यालय में भी प्रातः 9.30 बजे अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं की उपस्थिति में वीरांगना रानी दुर्गावती को पुष्पांजलि अर्पित की गई।